लचर विद्युत व्यवस्था से परेशान सिहोरावासी

सिहोरा नवभारत। विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिहोरा और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में विद्युत विभाग की लापरवाही ने इन दिनों सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मानसून की शुरुआत होते ही ग्रामीण अंचल की बिजली व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। आलम यह है कि जरा सी रिमझिम बारिश होते ही घंटों के लिए बिजली गुल कर दी जाती है। दिन तो जैसे-तैसे कट जाता है, लेकिन रात्रि के समय की जा रही अघोषित कटौती ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है।

शासन-प्रशासन इन कर्मचारियों को रात में जागकर ड्यूटी करने की तनख्वाह देता है ताकि ग्रामीण चैन से सो सकें, लेकिन यहाँ गंगा उल्टी बह रही है—विद्युत कर्मचारी रात में चैन की नींद सो रहे हैं और ग्रामीण जन रात भर जागने को मजबूर हैं।

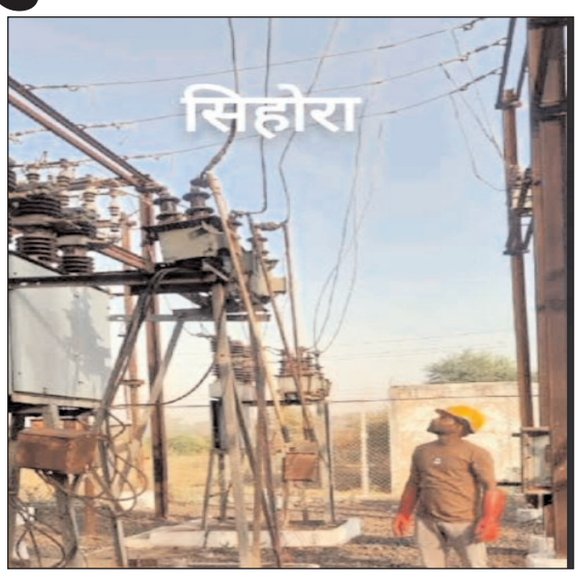

अंधेरे के साए में अनहोनी का डर सांप-बिच्छू का खतरा बढ़ा

बरसात के मौसम में इस तरह की लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है। बारिश के कारण खेतों और जंगलों में पानी भर जाने से जहरीले जीव-जंतु जैसे सांप और बिच्छू अपने बिलों से निकलकर रिहायशी इलाकों और घरों की तरफ भागते हैं।

ऐसे जोखिम भरे समय में घरों और मोहल्लों में रोशनी का होना बेहद जरूरी है ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि अंधेरे का फायदा उठाकर ये जहरीले जीव कभी भी किसी को काट सकते हैं, जिससे जान भी जा सकती है। यदि ऐसी कोई घटना होती है, तो इसका जिम्मेदार सीधे तौर पर बिजली विभाग होगा।

कुंभकरणी नींद में सोया विभाग, जनता त्रस्त

ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग के कर्मचारी और अधिकारी पूरी तरह संवेदनहीन हो चुके हैं। बीती रात का उदाहरण देते हुए स्थानीय निवासियों ने बताया कि जैसे ही हल्की-फुल्की बारिश शुरू हुई, रात लगभग 2:00 बजे बिजली काट दी गई, जो सुबह 7:00 बजे तक गायब रही। यह क्षेत्र पूरी तरह कृषि प्रधान है और वर्तमान में किसान खेतों में बुआई व निंदाई के काम में व्यस्त हैं। दिनभर खेतों में हाड़-तोड़ मेहनत करने के बाद जब किसान रात को आराम करने घर लौटते हैं, तो विभाग की बिजली कटौती उनके आराम में खलल डाल देती है।

ग्रामीणों की मांग सुधरे व्यवस्था, वरना होगा आंदोलन

सिहोरा सहित आसपास के दर्जनों गांवों के आक्रोशित ग्रामीणों ने विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि लापरवाह और कामचोर कर्मचारियों को चिन्हित कर उन पर तत्काल कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि बिजली आपूर्ति में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो समस्त ग्रामवासी लखनादौन मुख्यालय का घेराव कर उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे।

सबसे बड़ी पंचायत कान्हीवाड़ा भगवान भरोसे

5 साल से नहीं है स्थाई सचिव, पीसीओ की मनमानी से ग्रामीण त्रस्त

सिवनी नवभारत। जनपद पंचायत सिवनी के अंतर्गत आने वाली जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत कान्हीवाड़ा इन दिनों प्रशासनिक उपेक्षा और बदहाली का शिकार है। विडंबना देखिए कि जिले की सबसे बड़ी पंचायत होने के बावजूद कान्हीवाड़ा पिछले 5 वर्षों से स्थाई सचिव विहीन है। पंचायत का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पीसीओ रामकुमार सूर्यवंशी की कार्यप्रणाली और कथित मनमानी से स्थानीय ग्रामीण बेहद त्रस्त हैं। जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण आज इस बड़ी पंचायत के नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

जब हम अपनी समस्या लेकर पंचायत प्रभारी या पीसीओ के पास जाते हैं, तो हमारी सुनवाई नहीं होती। अपनी मनमानी के चलते वे ग्रामीणों की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। अगर जल्द ही स्थाई सचिव की नियुक्ति और जल निकासी का समाधान नहीं हुआ, तो हम उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे

जिले की सबसे बड़ी पंचायत में इस तरह की अव्यवस्था और लापरवाही ने जनपद पंचायत के प्रशासनिक दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कान्हीवाड़ा के जागरूक नागरिकों ने जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से कान्हीवाड़ा में एक योग्य और स्थाई सचिव की नियुक्ति की जाए। लापरवाह पीसीओ के खिलाफ जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। वार्ड नंबर 17 सहित पूरी पंचायत में जल निकासी और नाली निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कराया जाए।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कब तक जागता है, या फिर कान्हीवाड़ा के लोग इसी तरह नारकीय जीवन जीने को मजबूर रहेंगे।

वार्ड नंबर 17 में घुसा गंदा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

निकासी की उचित व्यवस्था न होने का खमियाजा कान्हीवाड़ा के वार्ड नंबर 17 के बाशिंदों को भुगतना पड़ रहा है। बीते दिनों हुई बारिश के बाद वार्ड नंबर 17 के कई घरों में नालियों का गंदा पानी घुस गया। घरों में पानी भरने से ग्रामीणों का राशन, कपड़े और कीमती सामान खराब हो गया है। सड़न और बदबू के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। बच्चों और बुजुर्गों का घर से निकलना दूभर हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मानसून सिर पर होने के बावजूद पंचायत प्रशासन द्वारा समय रहते नाली निर्माण, मरम्मत या पानी निकासी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। कागजों पर दावों की पोल पहली तेज बारिश ने ही खोल कर रख दी है। नालियां कचरे से चोक हैं, जिसके कारण निकासी पूरी तरह ठप हो चुकी है।

एक नजर में

कराते चैंपियनशिप मे खिलाड़ियों ने जीता मैडल

सिवनी। जिला कराते संघ सिवनी, टी.एस. शोतोकान कराते डू ऑफ म.प्र. के कराते खिलाड़ियों ने भोपाल में आयोजित शीकोकाई इंटरनेशनल ने 3ह्रस्र भोपाल ओपन ऑल इंडिया कराते चैंपियनशिप 27-28 जून 2026 को सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में आयोजित की गई। शिहांन ओमकार कश्यप ने बताया कि इस चैंपियनशिप में सिवनी के कराते खिलाड़ियों ने सेंसेई राधिका कश्यप के मार्गदर्शन में भाग लिया जिसमे 6 वर्षीय नित्यान्श बघेल ने कुमिते सिल्वर, काता में ब्रॉन्ज़ मैडल, 7 वर्षीय भव्य मर्सकोले ने कुमिते में गोल्ड, काता में गोल्ड मैडल, कु.मीनाक्षी कश्यप ने कुमिते में ब्रॉन्ज़ व काता में ब्रॉन्ज़ मैडल, कु.पवनी उइके ने कुमिते में गोल्ड, काता में ब्रॉन्ज़ मैडल, धैर्य सोनी ने काता में ब्रॉन्ज़ मैडल, दीपांशु डोले ने काता में ब्रॉन्ज़ मैडल प्राप्त किया एवं कु.पूनम चौधरी का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। समस्त खिलाड़ियों को खेल प्रेमी अभिभावकों ने एवं जिला कराते संघ सिवनी के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी एंव इनके उज्वल भविष्य की कामनाये की

लगातार बारिश से नगर की सड़कें बनीं नाले, कई स्थानों पर जलभराव से बढ़ी परेशानी

छपारा। बुधवार देर रात से हो रही रुक रुक कर लगातार हो रही बारिश से जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया वहीं गुरुवार सुबह को भी लगातार बारिश के चलते छपारा नगर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। वहीं नगर परिषद की साफ सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई, समुचित जल निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण कई सड़कें नालों में तब्दील हो गईं, जबकि अनेक स्थानों पर पानी भर जाने से तालाब जैसा दृश्य देखने को मिला। लगातार हुई बारिश के कारण नगर के महाराणा प्रताप कॉलोनी, हाईवे कॉलोनी, हनुमान कॉलोनी तथा जामा मस्जिद कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था के अभाव में हर वर्ष बारिश के दौरान ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जामा मस्जिद कॉलोनी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बायपास की ओर से बड़ी मात्रा में बारिश का पानी रिहायशी इलाके में पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के पानी के साथ विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु एवं विषैले जीव भी बहकर कॉलोनी में आ रहे हैं, जिससे रहवासियों में भय का माहौल बना हुआ है।

डॉ. हैनिमैन की पुण्यतिथि एवं राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर वृद्धाश्रम में लगाया स्वास्थ्य शिविर

नवभारत न्यूज

छिंदवाड़ा, 2 जुलाई, होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया छिंदवाड़ा यूनिट द्वारा डॉ. सैमुअल हैनिमैन की पुण्यतिथि एवं राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर झुन्नवाड़ा स्थित वृद्धाश्रम में नि:शुल्क हो योपैथिक स्वास्थ्य शिविर एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हो योपैथी के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं सभी उपस्थित चिकित्सकों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। छिंदवाड़ा यूनिट की अध्यक्ष डॉ. कोमल जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक हो योपैथिक औषधियाँ वितरित की गई। साथ ही वृद्धाश्रम के लिए आवश्यक उपयोगी सामग्री, खाद्य सामग्री तथा मनोरंजन हेतु दो कैरम बोर्ड भी भेंट किए गए। इस अवसर पर डॉ. कोमल जायसवाल ने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों की सेवा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। सेवा, संवेदना और समर्पण की भावना से किए गए ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अरविंद पासिने, डॉ. कोमल जायसवाल, डॉ. आशुतोष दीवान, डॉ. शैलेंद्र खंडेकर, डॉ. शुभम वर्मा, राधेकिशन राय, , डॉ. निलेश वर्मा, डॉ. सुजीत रघुवंशी, डॉ. शिव पवार, डॉ. दीपक पवार, डॉ. हरजानी, डॉ. ईश्वर चंद्रवंशी, डॉ. प्रज्ञा वर्मा, डॉ. काव्या डोडानी, डॉ. मेघा वास्त्री ,पवन हो यो हॉल के संचालक रितेश राय, डॉ. शारदा, डॉ. सोनल नेमा, डॉ. जे. एस. राय, डॉ. साक्षी, डॉ. परिनिता, डॉ. आशीष महोरे, डॉ. भारती गड़वाल, डॉ. अखिलेश धारे, डॉ. विजेता विश्वकर्मा, एवं डॉ. राष्ट्रीय सूर्यवंशी सहित सभी सहयोगकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा।

हॉकी अकादमी के चयनकर्ता समीर दाद का सम्मान

सिवनी। भोपाल हॉकी अकादमी में खिलाड़ियों के चयन के लिए मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम सिवनी में अकादमी के चयन करता श्री समीर दाद, उनके सहयोगी लोकेंद्र शर्मा वेट लिफ्टिंग कोच आरिफ खान का आगमन हुआ ।खेल अधिकारी मनु धुर्वे ने उनका स्वागत किया ।श्रीमती मकसूदा मिर्जा पूर्व डिप्टी डायरेक्टर खेल और युवा कल्याण विभाग तथा जॉइंट सेक्रेटरी हॉकी मध्य प्रदेश द्वारा समीर दाद का पुष्प कुछ देकर स्वागत किया तथा शाल व श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री एस बी मिर्जा, संजू जैन,रशीद कुरेशी, फैसल खान ,नारायण बिसेन ,निकेश पद्माकर ,ओम शीवे अब्दुल हक़ खेल विभाग के कर्मचारी तथा खेल प्रेमी व सभी खिलाड़ी उपस्थित रहे। चयन हेतु सिवनी, बालाघाट के हॉकी खिलाड़ी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आगमन पर भाजपा किसान मोर्चा ने किया आत्मीय स्वागत

सिवनी नवभारत। मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सिवनी आगमन पर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर अतिथि कक्ष के बाहर भाजपा किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट कर कान्हीवाड़ा को तहसील का दर्जा प्रदान किए जाने की मांग पुन: प्रमुखता से रखी। कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, बढ़ती जनसंख्या एवं आम नागरिकों की प्रशासनिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कान्हीवाड़ा को तहसील बनाए जाने की आवश्यकता से अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आश्वासन दिया कि इस प्रस्ताव को आगामी समय में प्रक्रिया में सम्मिलित कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

भाजपा किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि कान्हीवाड़ा को तहसील बनाने की वर्षों पुरानी मांग शीघ्र ही साकार होगी।

यादव महासभा ने मुख्यमंत्री का किया भव्य स्वागत, समाज उत्थान हेतु सौंपा ज्ञापन

सिवनी नवभारत। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं यादव समाज के गौरव डॉ. मोहन यादवके सिवनी आगमन पर जिला यादव महासभा, सिवनी द्वारा बबरिया रोड पर उनका आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्यमंत्री का सम्मान किया गया तथा यादव समाज के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक उत्थान से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन के माध्यम से जिला यादव महासभा ने मुख्यमंत्री के समक्ष समाज हित में चार प्रमुख मांगें रखी। मध्यप्रदेश के प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय में गौशाला का निर्माण कर गौशालाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु यादव समाज के योग्य व्यक्तियों को नियुक्त कर रोजगार उपलब्ध कराया जाए। सिवनी जिला मुख्यालय के भुरकल खापा औद्योगिक क्षेत्र में यादव समाज को डेयरी उद्योग स्थापित करने हेतु भूमि आवंटित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं। प्रदेश में यादव कल्याण बोर्ड का गठन कर समाज की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक उन्नति के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। फरवरी 2027 में जिला यादव महासभा, सिवनी द्वारा प्रस्तावित संभाग स्तरीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी सहमति एवं गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ज्ञापन का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए समाज की मांगों पर सकारात्मक विचार कर उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने 24 मई को जिला यादव महासभा, सिवनी द्वारा आयोजित भव्य जिला सम्मेलन एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं के कारण वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, जिसका उन्हें खेद है।

जिला यादव महासभा के अध्यक्ष अरुण कुमार यादव से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में समाज के प्रमुख आयोजनों में शामिल होने का हर संभव प्रयास करेंगे। स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अरुण कुमार यादव,जिला सचिव एडवोकेट अखिलेश यादव, जिला उपाध्यक्ष सुभाष यादव, नंदू यादव, अरुण यादव, उमेश यादव, राजेंद्र यादव (टेलर), कोषाध्यक्ष रामकिशोर यादव, संरक्षक बाबू भैया महेश यादव, के.के. यादव, एडवोकेट निर्मल यादव, रामनाथ यादव अलौनिया श्रीमती दीपलता यादव (भाजपा मंडल अध्यक्ष, घंसौर), प्रेमलाल यादव, भरत यादव (पूर्व जिला अध्यक्ष, भारतवर्षीय यादव महासभा), सुरेंद्र यादव (ब्लॉक अध्यक्ष, घंसौर), दशरथ यादव (ग्रामीण अध्यक्ष, घंसौर), अरविंद यादव, संतलाल यादव, राधे यादव (धनोरा), राधेश्याम यादव, विनोद यादव, प्रवेश यादव, राजेश यादव (धूमा), सिवनी नगर से शुभम यादव, दीपक यादव, सुनील यादव, बिट्टू यादव, लुनेस यादव, सुरेंद्र जैन, मदन कुमार सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जलभराव | भोरगोंदी, सोनखार, बावली, नेवरगांव,कंचनवाड़ा, रुमाल, घाटखरपडिया,सिंदरादेही, मोहबर्रा, गोरखपुर, सारसडोल सहित दर्जनों गांव में जलभराव

मूसलाधार बरसात से उगली क्षेत्र में जल मग्न की स्थिती निर्मित

उगली नवभारत। गुरुवार को लगभग 3-5 घंटे की मूसलाधार बारिश से उगली क्षेत्र जलमग्न हो गया,दर्जनों गांवों का संपर्क उगली मुख्यालय से टूट गया, मुख्य सड़कें डूब गई और लोगों कज घरों और खेतों में पानी घुस गया।

जनपद पंचायत केवलारी अंतर्गत तहसील उगली क्षेत्र में गुरुवार को हुई लगभग तीन से पांच घंटे की लगातार मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। भारी वर्षा के कारण क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गये । कई ग्रामों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है, जबकि खेतों और घरों में पानी भर जाने से ग्रामीणों को खाषी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोरगोंदी, सोनखार, बावली, नेवरगांव,कंचनवाड़ा, रुमाल, घाटखरपडिया,सिंदरादेही, मोहबर्रा, गोरखपुर, सारसडोल सहित दर्जनों गांव जलभराव की चपेट में आ गये।

तेज बहाव के कारण कई पुल-पुलियों और सड़कों के ऊपर पानी बह रहा है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो गया है। बाढ़ जैसे हालात की स्थिती के चलते सोनखार-बावली मार्ग, कंचनवाड़ा-झित्तर्रा मार्ग, उगली-ढुटेरा (पांडिया छपारा) मार्ग, उगली-सारसडोल मार्ग, उगली-गोरखपुर मार्ग, खामी-गोरखपुर मार्ग, सरंडी-चिखली मार्ग तथा सोनखार-भोरगोंदी मार्ग सहित कई प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गई हैं। इन मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई । हालांकि सड़कें बंद होने के बावजूद कुछ लोग मजबूरी में अपनी जान जोखिम में डालकर उफनते पुल-नालों को पार करते दिखाई दिए, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका हो सकती है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से ऐसे स्थानों पर तत्काल सुरक्षा व्यवस्था एवं बैरिकेटिंग कराने की मांग की है। लगातार हुई बारिश से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। खेतों में पानी भर जाने से खरीफ फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। यदी बारिश के यही हालात रहे तो,वहीं कई गांवों में पानी घरों तक पहुंच गया है, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है, और घरेलू सामान भी खराब होने की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की अपील की है, जलभराव वाले मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था करने तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

किलकारी मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का शुभारंभ, डॉ. पारस पटेरिया को मिली शुभकामनाएँ

सिवनी नवभारत। सिवनी-बालाघाट अंचल की पूर्व सांसद नीता पटेरिया के सुपुत्र एवं सुप्रसिद्ध शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पारस पटेरिया को किलकारी मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल के शुभारंभ पर क्षेत्रभर से शुभकामनाएँ और बधाइयाँ मिल रही हैं। इस अवसर पर कहा गया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्थापित यह आधुनिक चिकित्सालय नवजात शिशुओं की विशेष देखभाल, नवजात गहन चिकित्सा इकाई, शिशु रोग उपचार, टीकाकरण, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं तथा वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित समग्र चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से आमजन को गुणवत्तापूर्ण, संवेदनशील और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराएगा।

विश्वास व्यक्त किया गया कि यह संस्थान सिवनी जिले सहित समूचे महाकौशल क्षेत्र के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा, नवजीवन और चिकित्सकीय उत्कृष्टता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरेगा तथा माताओं और बच्चों को बेहतर एवं आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस जनकल्याणकारी पहल के लिए डॉ. पारस पटेरिया, समस्त चिकित्सक दल एवं अस्पताल प्रबंधन को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गई।